सिंगरौली जिले के बैढ़न ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.एड. उपाधि की सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

2023-25

मार्गदर्शक

डॉ. संजय कुमार पंडागले

सह-प्राध्यापक

शिक्षा विभाग

शोधकर्ता

देवेन्द्र कुमार जायसवाल

एम.एड. **2023-25**

अनुक्रमांक - **2406600306**

D-747

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी

NCERT

शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल (म. प्र.)

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली)

घोषणा पत्र

मैं देवेन्द्र कुमार जायसवाल घोषणा करता हूँ कि एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध 'सिंगरौली जिले के बैढ़न ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन' नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम. एड. सत्र 2023-25 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिए गए प्रदत्तो एवं सूचनाओं को विश्वसनीय तथा मूल स्थानों से प्राप्त किया गया है तथा यह प्रयास पूर्णता मौलिक है।

स्थान:-भोपाल
दिनांक:-

शोधार्थी
देवेन्द्र कुमार जायसवाल
एम. एड. 2023-25
शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि देवेन्द्र कुमार जायसवाल, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल से शिक्षा शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध 'सिंगरौली जिले के बैढ़न ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन' हमारे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है यह शोध कार्य उनकी निष्ठा लगन एवं ईमानदारी से किया गया मौलिक कार्य का परिश्रम का परिणाम है जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

हम आशीर्वाद सहित प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड. (आर.आई ई.) उपाधि हेतु सन सत्र 2023-25 की आंशिक संपूर्ण हेतु स्वीकृति प्रदान करते हैं।

स्थान -भोपाल
दिनांक:-

मार्गदर्शक
डॉ. संजय कुमार पंडागले
सह-प्राध्यापक
शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

आभार ज्ञापन

इस शोध कार्य की संपन्नता में मेरे शोध कार्य के मार्गदर्शक आदरणीय डॉ. संजय कुमार पंडागले शिक्षा विभाग का कृतज्ञ हूँ जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाइयों का निराकरण किया और मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते रहे। यह लघु शोध आपके मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता वात्सल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रो. शिव कुमार गुप्ता का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे समय पर अभिप्रेरित किया मैं पूर्व प्राचार्य प्रो.जयदीप मंडल, वर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो.आयुष्मान गोस्वामी, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बी. रमेश बाबू, प्रो. आई. बी. चुगतई, प्रो. रत्नमाला आर्य, डॉ. एन. सी. ओझा, डॉ. मंजू, डॉ. सौरभ कुमार,डॉ. पवन कुमार, डॉ. त्रिलोकी प्रसाद, डॉ. जयंत एवं डॉ. मधुसूदन के स्नेह पूर्ण व्यवहार हेतु हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोध कार्य में सहयोग प्रदान किया।

पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ मैं अपने मित्र पंकज कुमार यादव का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर शोध कार्य में आई समस्याओं के निवारण में अपना पूर्ण सहयोग दिया।

मैं कृतज्ञ हूँ मेरे माता-पिता एवं भैया-भाभी और घर के सभी सदस्यों का जिनकी शुभकामनाओं से कार्य में गति मिली।

उसके साथ-साथ जिस विद्यालयों से मैंने आंकड़े संकलित किया वहां से सभी प्राचार्य एवं शिक्षक गण एवं मेरे प्रिय छात्र-छात्राएँ, सभी मित्र एवं सहपाठियों का भी हृदय से आभारी हूँ जिनका इस शोध कार्य में मुझे अपार सहयोग मिला।

स्थान- भोपाल
दिनांक:-

शोधार्थी
देवेन्द्र कुमार जायसवाल
एम.एड. 2023-25
शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

अनुक्रमणिका

1 अध्याय: परिचय .....

1.1 प्रस्तावना 1

1.2 अध्ययन की पृष्ठभूमि 2

1.3 विद्यार्थी जीवन में खेलकूद का महत्व 3

1.4 स्कूली शिक्षा में खेलों का महत्व 3

1.4.1 शारीरिक शिक्षा की अवधारणा: 3

1.4.2 परिभाषाएं और सिद्धांत: 3

1.4.3 शारीरिक शिक्षा के सिद्धांत: 3

1.4.4 खेल, खेलकूद और खेल स्पर्धा के बीच अंतर: 3

1.4.5 खेलकूद और खेलों का महत्व: 4

1.4.6 शिक्षा में खेलों का उपयोग: 4

1.5 शिक्षा में खेलकूद का महत्व 4

1.6 खेलकूद की सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाईयाँ 4

1.7 खेलों से मिलने वाले लाभ 5

1.8 भारत में शारीरिक शिक्षा का विकास 5

1.8.1 स्वतंत्रता पूर्वकाल 5

1.8.2 स्वतंत्रता के बाद 6

1.9 अध्ययन की आवश्यकता 8

1.10 समस्या का कथन 8

1.11 अध्ययन के उद्देश्य 8

1.12 अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा 9

1.12.1 खेलकूद 9

1.13 अध्ययन की सीमाएँ 9

2 अध्याय: साहित्य समीक्षा 10

2.1 परिचय 11

2.2 साहित्य समीक्षा के उद्देश्य 11
2.3 संबंधित साहित्य की समीक्षा की आवश्यकता 12
2.4 संबंधित साहित्य की समीक्षा 13
3 अध्याय: अनुसंधान पद्धति 19
3.1 परिचय 20
3.2 अध्ययन की प्रकृति 20
3.3 अध्ययन के चर (Variables of the Study) 20
3.3.1 स्वतंत्र चर (Independent Variables) 20
3.3.2 पराश्रित चर (Dependent Variables) 21
3.3.3 नियंत्रित चर (Controlled Variables) 21
3.3.4 सम भाव्य बाधक चर (Extraneous / Intervening Variables) 22
3.4 जनसंख्या (Population) 22
3.5 नमूना (Sample) 22
3.6 अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण (Tool Used in the Study) 22
3.6.1 प्रश्नावली की प्रकृति (Nature of Questionnaire) 23
3.6.2 प्रश्नावली के प्रमुख खंड (Main Sections of the Tool) 23
3.6.3 शारीरिक शिक्षक हेतु प्रश्नावली के खंड 23
3.6.4 उपकरण की वैधता (Validity of the Tool) 24
3.6.5 उपकरण की उपयोगिता (Utility of the Tool) 24
3.7 डेटा संग्रहण की प्रक्रिया 24
3.8 डेटा विश्लेषण की विधि 24
3.9 अध्ययन की सीमाएँ (Limitations) 24
4 अध्याय: डेटा का विश्लेषण और निष्कर्ष 26
4.1 प्रस्तावना 27
4.2 अध्ययन के उद्देश्य 27
4.3 डेटा विश्लेषण की प्रक्रिया 27

4.4 निष्कर्ष 40

5 अध्याय: सारांश, निष्कर्ष और सुझाव 42

5.1 प्रस्तावना 43

5.2 अध्ययन का उद्देश्य 43

5.3 समस्या का कथन 43

5.4 अनुसंधान उपकरण 44

5.5 शैक्षिक कार्यान्वयन 44

5.6 परिणाम 44

5.7 सुझाव 45

5.8 निष्कर्ष 45

संदर्भ सूची 46

परिशिष्ट 48